छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 37 ■ अम्बिकापुर, सोमवार 26 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

शुभकामनाएं...

समस्त पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन कार्यालय में 26 जनवरी 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

संपादक

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा करेंगे ध्वजारोहण

पीजी कॉलेज मैदान समारोह स्थल में प्रवेश एवं पार्किंग के लिए एडवाइजरी जारी

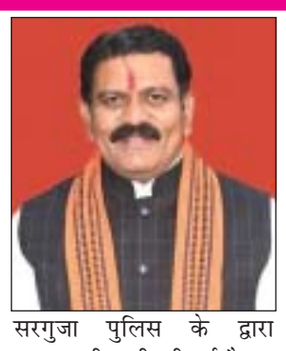

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में गणतंत्र दिवस 2026 समारोह का मुख्य आयोजन पीजी कॉलेज ग्राउंड अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में होगा, वे ध्वजारोहण करके परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे। समारोह स्थल के प्रवेश एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु

सरगुजा पुलिस के द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। व्ही.व्ही.आई.पी. हेतु प्रवेश द्वार क्रमांक-01 (बनारस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया की ओर), आम जनता के प्रवेश हेतु प्रवेश द्वार क्रमांक-02 (डाइट मैदान के सामने), पत्रकार एवं आमंत्रित अतिथि हेतु प्रवेश द्वार क्रमांक-03 (बनारस रोड, पानी टंकी के पास), आम जनता हेतु प्रवेश द्वार क्रमांक-04 (राजमोहिनी देवी भवन के सामने) निर्धारित है। आम जनता हेतु पार्किंग स्थल क्रमांक-05 (राजमोहनी देवी भवन के पास ग्राउण्ड) एवं पार्किंग स्थल क्रमांक-06 (बी.टी.आई. ग्राउंड) है। सरगुजा पुलिस द्वारा आम जनता से अपील करते हुए कहा गया है कि आमजन अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही खड़ी करें एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।

लग्जरी वाहन से मिला 15 पेटी अंतर्राज्यीय अंग्रेजी शराब

आबकारी विभाग की टीम ने शुक्रवार को देर रात की कार्रवाई, एक आरोपी भागा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आबकारी की टीम ने लग्जरी वाहन सवार एक व्यक्ति से 15 पेटी अंतर्राज्यीय अंग्रेजी शराब जब्त किया है, जिसमें 750 पाव गोवा शराब मिला। जब्त शराब की कुल मात्रा 135 लीटर और कीमत एक लाख रुपये बताई जा रही है। मुखबिर की सूचना पर आबकारी उपनिरीक्षक ने अपनी टीम के साथ शनिवार को देर रात आरोपी को अवैध शराब के साथ कब्जे में लिया, जो शराब खपाने के उद्देश्य से निकला था। आबकारी की घेराबंदी को देखकर एक आरोपी इनोवा वाहन से कूदकर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। गिरफ्त में आया आरोपी पूर्व में शासकीय शराब दुकान में काम करता था। यहां से हटाने के बाद वह मध्य प्रदेश से लाकर शराब की तस्करी करने लगा। जानकारी के मुताबिक आबकारी उपनिरीक्षक अनिल गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि इनोवा वाहन में सवार एक व्यक्ति काफी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब खपाने के लिए निकला है। सूचना पर वे सहयोगी उपनिरीक्षक आबकारी सौरभ साहू व अन्य कर्मचारियों के साथ घेराबंदी करते हुए दरिमा थाना

क्षेत्र के ग्राम नवानगर, अड़ची पहुंचे और इनोवा वाहन क्रमांक सीजी 15 बी 6444 सहित एक सवार को कब्जे में लिया, दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पूछताछ में इनोवा सवार ने अपना नाम रंजीत सिंह उर्फ लड्डू सिंह बताया, जो मूलतः बिहार का रहने वाला है और अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाषनगर में किराए के मकान में अपना ठिकाना बनाकर रखा था। संदेह जताया जा रहा है कि आरोपी लम्बे समय से अवैध शराब की तस्करी करने में लगा था। इनोवा वाहन में प्रेस लिखा था, जिसे वह किराए में लेना बता रहा है। आरोपी के काफी दिनों से इस कारोबार में लगे रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आरोपी को टीम ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

युवक के पेट में चाकू से हमला करने के मामले में अपचारी बालक सहित 3 गिरफ्तार

■ 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हत्या का प्रयास के मामले में साइबर सेल एवं कोतवाली थाना पुलिस ने एक विधि से संघर्षरत बालक सहित 03 आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने एक राय होकर आहत को जान से मारने की नियत से खंजरनुमा चाकू से गंभीर चोट पहुंचाया था। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों की टीम ने पेट में धंसे चाकू को निकाला था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पूछताछ में मुख्य आरोपी ने अपचारी बालक द्वारा ऑनलाइन खंजरनुमा चाकू मंगाने और घटना

के लिए उपलब्ध कराने की जानकारी दी है।

रिंग रोड बौरीपारा निवासी रोशन जायसवाल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका भाई कपड़ा का व्यवसाय करता है। 24 जनवरी को वह घर में था, करीब 11 बजे आनन्द गुप्ता फोन करके बताया कि उसके भाई रितिक जायसवाल के साथ वह कपड़ा लेने चांदनी चौक गया था, यहां से कपड़ा लेकर वापस आते समय चांदनी चौक में गणपति पेट्रोल पम्प के सामने विनोद डेली नीड्स दुकान में चाय पी रहे थे, उसी समय सत्यम सोनकर, आयुष सोनी एवं उसका एक अन्य साथी आपसी पुरानी रंजिश को लेकर रितिक जायसवाल को जान से मारने की नियत से आए, और सत्यम सोनकर अपने हाथ में रखे चाकू से रितिक जायसवाल पर वार कर दिया, चाकू रितिक के पेट में घुस गया है, उसे जिला अस्पताल लेकर गए हैं। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 109, 3,(5) बी.एन.एस. एवं 25-27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज कर पुलिस ने विवेचना में लिया था। मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने मामले में पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपियों को तलाशना शुरू किया और विधि से संघर्षरत बालक एवं सत्यम सोनकर पिता अर्जुन सोनकर 18 वर्ष निवासी गुरुद्वारा वार्ड मायापुर, आयुष सोनकर पिता शिवशंकर सोनकर 19 वर्ष निवासी घुटरापारा मायापुर को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने रितिक जायसवाल को पुरानी रंजिश को लेकर मौका मिलते ही अपने अन्य साथियों के साथ घटना कारित करना स्वीकार किया। बालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष एवं विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अनुज जायसवाल सक्रिय रहे।

घटना के बाद घुटरापारा में छिपे थे आरोपी

कोतवाली थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा ने बताया कि पकड़ आए आरोपियों में सत्यम और आयुष सोनी बालिग हैं, एक अपचारी बालक है। मुख्य आरोपी के द्वारा अपचारी बालक के द्वारा चाकू उपलब्ध कराना बताया जा रहा है, ऑनलाइन चाकू वह किस उद्देश्य से और किसके कहने पर मंगाया था, यह जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद फरार होने के फिराक में थे। आरोपी सत्यम अपने मोबाइल फोन को बार-बार चालू और बंद कर रहा था, लेकिन मां के संपर्क में था। पुलिस ने तकनीकी माध्यम से घुटरापारा में छिपे आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानलेवा हमले का कारण पिछले वर्ष जनवरी माह में और दुर्गा पूजा के समय उसके भाई से घायल युवक के द्वारा लड़ाई-झगड़ा करना बता रहा है।

समस्त देश वासीयों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

रणविजय सिंह तोमर

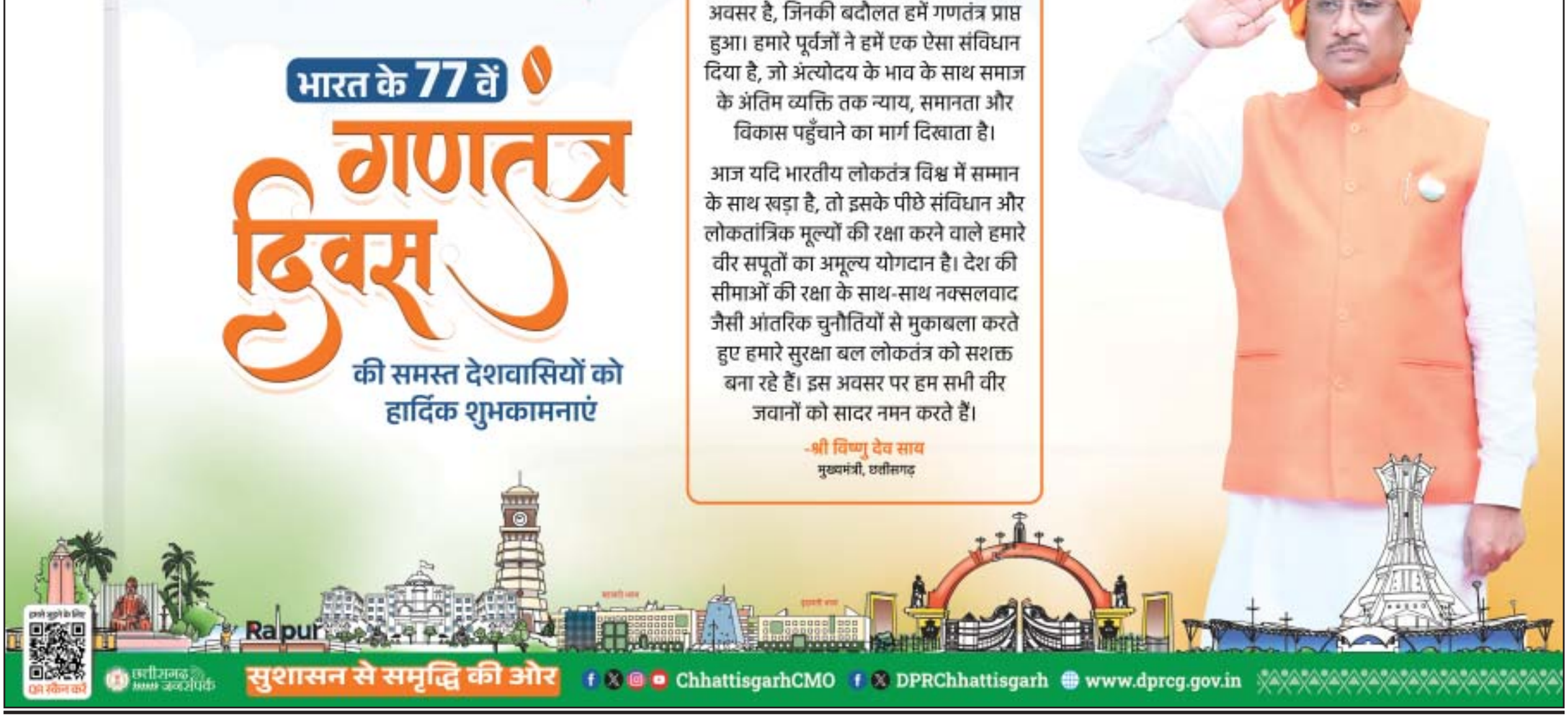

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

HAPPY REPUBLIC DAY

भूलन सिंह मरावी
विधायक
विधानसभा क्षेत्र
प्रेमनगर-04

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

श्रीमती रेखा राजवाड़े
उपाध्यक्ष
जिला पंचायत सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजलाल राजवाड़े

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

HAPPY REPUBLIC DAY

मोनिका सिंह
सभापति
जिला पंचायत
सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

डी.एस. लकड़ा
विकासखण्ड शिक्षा
अधिकारी
रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

HAPPY REPUBLIC DAY

गुलाब सिंह
अध्यक्ष
जनपद पंचायत
रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

एलरीक लकड़ा
थाना प्रभारी एवं
समस्त स्टाफ
पुलिस थाना रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मनहरण सिंह राठिया
तहसीलदार
रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सौभाग्य दुबे
महामंत्री
भाजपा
मंडल
रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

धनेश्वर सिंह
प्रबंधक

बाबूलाल सिंह
अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति पोड़ी

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सुनील कुमार
कुशवाहा
प्रबंधक

श्री राम सिंह
अध्यक्ष

आ.जा.सेवा सहकारी
समिति पतरापाली

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

परबतिया सिंह
सरपंच

मधुशिला सिंह
उपसरपंच

अजय सिंह, सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी ग्राम
पंचायत पतरापाली जिला सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सीताराम
राजवाड़े
प्रबंधक

रामलखन सिंह
अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति गणेशपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अयोध्या
प्रसाद साहू
सरपंच

अशोक साहू
सचिव

समस्त पंचगण
एवं ग्रामवासी

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

डॉ. प्रियंका शर्मा
बीएमओ

सामुदायिक स्वास्थ्य
केन्द्र रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

देवकीनन्दन साहू
प्रबंधक

मीना सिंह
अध्यक्ष

मनोज राजवाड़े, कम्प्यूटर ऑपरेटर

आ.जा.सेवा सहकारी समिति
उमापुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

संखलाल
साहू
प्रबंधक

सुमार साय सिंह
अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति परशुरामपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अमर सिंह
जिलाध्यक्ष सरपंच
संघ सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मीरा सिंह सरूता
सरपंच

गोपाल सिंह
उपसरपंच

विजय सिंह, सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी ग्राम
पंचायत परशुरामपुर जिला सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सुशील सिंह
अध्यक्ष

शशि सिंह
प्रबंधक

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति छिन्दिया

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

परमेश्वर
यादव
प्रबंधक

नारायण सिंह
अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति चन्दरपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कवल साय सिंह
सभापति

कृषि जनपद पंचायत
रामानुजनगर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
निरीक्षक रूपेश कुंतल
थाना प्रभारी व समस्त स्टॉफ
पुलिस थाना जयनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
निरीक्षक प्रकाश राठौर
थाना प्रभारी व समस्त स्टॉफ
पुलिस थाना बिश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

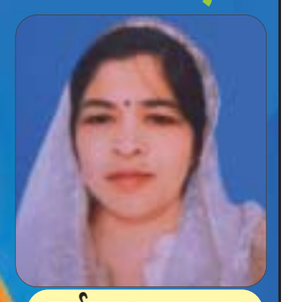

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
राधा बाई
सरपंच
नईयर सुल्ताना
उपसरपंच
सियाराम राजवाड़े
सचिव
समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी
ग्राम पंचायत जयनगर, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रतीक बड़ा
सहायक अभियंता
व समस्त स्टॉफ
छ.ग. राज्य विविक मर्या. उपसंभाग बिश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
युवा मोर्चा छत्तीसगढ़
आनंद शर्मा

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
ठाकुर राजवाड़े
लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
कंवल बिहारी सिंह टेकाम
ब्लॉक अयध्यक्ष कांग्रेस कमेटी लटोरी
रूपदेव कुशवाहा
कांग्रेस नेता

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
नरेन्द्र यादव
जिला पंचायत सदस्य
क्षेत्र क्र. 03

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मो. सज्जाद
उपसरपंच
अरूणा सिंह
सरपंच
नीलिमा जायसवाल
सचिव
संजीव सिंह
सरपंच प्रतिनिधि
समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत कुंजनगर, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
अर्चना अगरिया
सरपंच
उषा सिंह
उपसरपंच
महेन्द्र मानिकपुरी
सचिव
वार्ड पंच
हीरालाल कुशवाहा, नोनी गोपाल बैरागी, जगदीश कुशवाहा, ममता व समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी
ग्राम पंचायत सिलफिली, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

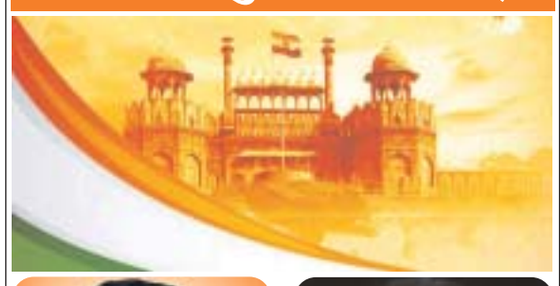

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
भोला सिंह
अध्यक्ष
संचालक समिति
विनोद जायसवाल
समिति प्रबंधक
एवं समस्त स्टॉफ
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिलफिली (सूरजपुर)

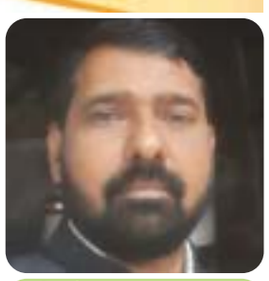

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
अहिल्या देवी
सरपंच
चंद्रगुप्त देवांगन
उपसरपंच
सियाराम राजवाड़े
सचिव
समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत तेलईकछार, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
भूपेश बघेल
पूर्व मुख्यमंत्री
छ.ग. शासन
अमरजीत भगत
पूर्व खाद्यमंत्री
छ.ग. शासन
विमलेश दत्त तिवारी
दानिश रफीक
संजय डोसी
विक्की समहार
शशि सिंह, जिला अध्यक्ष, कांग्रेस
वेद प्रकाश मिश्रा
कांग्रेस कमेटी व समस्त प्रकोष्ठ जिला सूरजपुर छ.ग.

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
विजय राज अग्रवाल
चेयरमेन, वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
विवेक अग्रवाल
मैनेजिंग डॉयरेक्टर, वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी बिश्रामपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
धीरेन्द्र सिंह
सहायक वनपरिक्षेत्राधिकारी
व समस्त स्टॉफ वन परिक्षेत्र जयनगर
सूरजपुर (छ.ग.)

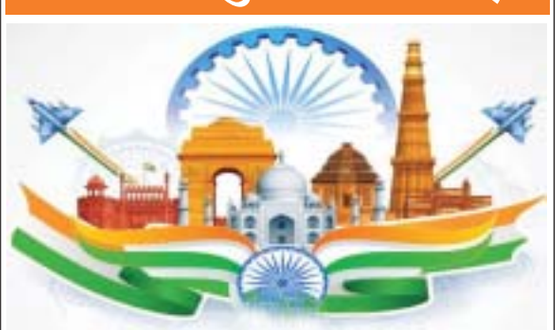

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
हरिश राजवाड़े
मंडल अध्यक्ष
भाजपा मंडल शिवनंदनपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक
शुभकामनाएं...
श्यामलाल प्रजापति
समिति प्रबंधक
देवधन राम बिंझिया
अध्यक्ष
संचालन समिति जयनगर
कमल सिंह, प्रकाश राम, विरेन्द्र कुमार, संजय सिंह व समस्त स्टॉफ
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जयनगर (सूरजपुर)

सम्पादकीय

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस में सिर्फ यूएस की ही चलेगी

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित 'बोर्ड ऑफ पीस' को शांति के एक नए वैश्विक मंच के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन इसके ढांचे, नेतृत्व और सदस्यता पर नज़र डालें तो यह पहल शांति से ज़्यादा सत्ता और प्रभुत्व की कहानी कहती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले से मौजूद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाओं के रहते एक नए मंच की आवश्यकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है, खासकर तब जब उसका स्वरूप लोकतांत्रिक कम और व्यक्तिगत नियंत्रण वाला अधिक प्रतीत हो। इस बोर्ड की सबसे असाधारण और विवादास्पद बात इसकी अध्यक्षता व्यवस्था है। डोनाल्ड ट्रंप इसके स्थायी अध्यक्ष होंगे, चाहे वे अमेरिका के राष्ट्रपति रहें या नहीं। अध्यक्ष को हटाने का प्रावधान भी लगभग प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह तभी संभव है, जब वे स्वयं इस्तीफा दें या कार्यकारी बोर्ड के सभी सदस्य उन्हें अयोग्य घोषित करें। चूंकि कार्यकारी बोर्ड के अधिकांश सदस्य ट्रंप द्वारा ही चुने गए हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि वास्तविक शक्ति पूरी तरह उनके हाथ में केंद्रित रहेगी। बोर्ड की सदस्यता सूची भी इसी असंतुलन को उजागर करती है। आठ मुस्लिम देशों कतर, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इसमें शामिल किया गया है। इसके अलावा अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को और वियतनाम जैसे देश भी इस पहल का हिस्सा बने हैं। ये सभी देश किसी न किसी रूप में अमेरिकी रणनीतिक प्रभाव के दायरे में आते हैं। इसके विपरीत चीन, रूस, जर्मनी, इटली और यूक्रेन जैसे प्रभावशाली देशों ने भी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह तथ्य अपने आप में बोर्ड की वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। भारत द्वारा इस बोर्ड पर कोई स्पष्ट फैसला न लेना भी बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की चुप्पी को इस रूप में देखा जा सकता है कि वह इस बोर्ड को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है। सुरक्षा परिषद भले ही वीटो पावर और राजनीतिक गतिरोधों के कारण आलोचना झेलती रही हो, लेकिन उसकी वैधता और वैश्विक प्रतिनिधित्व को नकारा नहीं जा सकता। इसके मुकाबले 'बोर्ड ऑफ पीस' न तो किसी अंतरराष्ट्रीय संधि पर आधारित है और न ही इसमें दुनिया की बड़ी ताकतों की भागीदारी है। इस बोर्ड की प्रभावशीलता पर एक और बड़ा सवाल यह है कि इसमें अमेरिका के अलावा कोई भी वीटो पावर देश शामिल नहीं है। ऐसे में यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में कितना सक्षम होगा, यह संदेहास्पद है। जिन देशों को इसमें शामिल किया गया है, उनमें से कोई भी इतना राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य रूप से शक्तिशाली नहीं है कि वह अमेरिका की इच्छा के विरुद्ध प्रभावी भूमिका निभा सके। इससे यह आशंका और गहरी होती है कि यह मंच वास्तव में स्वतंत्र निर्णयों के बजाय अमेरिकी एजेंडे को आगे बढ़ाने का साधन बन जाएगा। इज़राइल की आपत्ति भी इस पहल की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। इज़राइल ने कहा है कि बोर्ड के गठन से जुड़ी शुरुआती बातचीत में उसे शामिल नहीं किया गया। मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में शांति की कोई भी पहल इज़राइल की भागीदारी के बिना अधूरी मानी जाएगी। अब आने वाला समय ही बताएगा कि यह बोर्ड वास्तव में वैश्विक शांति में कोई सार्थक योगदान देता है या फिर यह इतिहास में एक ऐसे प्रयास के रूप में दर्ज होगा, जिसमें दुनिया की नहीं, बल्कि अमेरिका और विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की ही चलेगी।

विशेष

वसंत पंचमी

डॉ. बलवीर आचार्य

शाश्वत ऊर्जा और शौर्य का महोत्सव

माघ मास, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी का पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना में उस संक्रमण बिन्दु का प्रतीक है, जहां जड़ता से चेतना की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा अज्ञान से ज्ञान की ओर यात्रा प्रारम्भ होती है। यह पर्व प्रकृति के शृंगार, विद्या के शुभारम्भ, कलाओं के विकास, शौर्य, धैर्य और बलिदान की प्रेरणा का ऐसा संगम है, जो मानव मात्र को प्रेरित करता है कि वह ज्ञान-विज्ञान का विकास करता हुआ राष्ट्रभक्ति के भावों से ओत-प्रोत रहे।

भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसंत ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। यह वह ऋतु है जिसे स्वयं योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अपनी विभूति स्वीकार करते हुए कहा है कि- 'मैं, ऋतुओं में वसंत हूं।' वैदिक काल-गणना के अनुसार, यह 'प्राण' की पुनरावृत्ति का समय है। इसीलिए समस्त शुभ कार्यों और बड़े अनुष्ठानों का आरम्भ वसंत से करने का विधान है। संगीत और वीणा 'नाद ब्रह्म' के रहस्य को प्रकट कर रहे हैं। भारतीय मनीषा मानती है कि यह ब्रह्माण्ड ध्वनि से निर्मित है। वसंत पंचमी इसी 'नाद' की पूजा है। वैदिक युग की गम्भीरता जब लौकिक संस्कृत साहित्य में अवतरित हुई, तो वसन्त, रस और सौन्दर्य के उन्मेष के साथ 'ऋतुराज' के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। महाकवि कालिदास ने 'ऋतुसंहार-6.2' में वसंत का मानवीकरण करते हुए लिखा कि- वसंत ऋतु में प्रकृति का कण-कण सुन्दरता की गोद में समाया हुआ है। वृक्ष पुष्प-पुंजों से पुष्पित हो रहे हैं, सरोवरों में कमल अपनी पूर्ण आभा के साथ खिल रहे हैं, समीर सुगंध से सुवासित है और अहोरात्र अत्यन्त मनोहर प्रतीत हो रहे हैं। प्राचीन भारत में वसन्तोत्सव और 'कौमुदी महोत्सव' सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक थे। इसके प्रमाण हमें संस्कृत के प्रसिद्ध नाटकों में मिलते हैं। सातवीं शताब्दी के सम्राट् हर्षवर्द्धन ने अपनी नाटिका 'रत्नावली' के प्रथम अंक में वसन्तोत्सव का सजीव वर्णन किया है- लोग केसर और कुमकुम के घोल से सराबोर होकर गलियों में नृत्य कर रहे हैं। यह इस बात का ऐतिहासिक प्रमाण है कि वसंत के समय समाज में ऊंच-नीच का भेद समाप्त हो जाता था और राजा-प्रजा साथ मिलकर उत्सव मनाते थे। विशाखदत्त के नाटक 'मुद्राराक्षस' में चन्द्रगुप्त मौर्य के समय कौमुदी महोत्सव के आयोजन का उल्लेख है। यद्यपि चाणक्य ने कूटनीतिक कारणों से इसे रोकने का आदेश दिया था, किन्तु यह सन्दर्भ स्पष्ट करता है कि मगध की जनता के लिए यह वर्ष का सबसे बड़ा उत्सव था, जिसमें पूर्ण चन्द्र की आभा में नगर को अलंकृत किया जाता था।

परम्परागत भारतीय समाज में बच्चों का विद्यारम्भ, अक्षर लेखन, गुरुकुल प्रवेश, वसंत पंचमी से प्रारम्भ होता था। भारत में इस पर्व के विविध रंग देखने को मिलते हैं। बंगाल में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन होता है। पण्डालों में देवी की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और छोटे बच्चों को 'हाते खोड़ी' कराया जाता है

अर्थात पहली बार अक्षर लिखना सिखाया जाता है। मथुरा और वृन्दावन के ब्रज क्षेत्र में इस दिन होली का औपचारिक आरम्भ माना जाता है। मन्दिरों में भगवान की प्रतिमाओं को गुलाल अर्पित किया जाता है। प्रयागराज और वाराणसी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक आदि दक्षिण भारत के प्रान्तों में वसंत पंचमी पर्व को श्रीपंचमी कहा जाता है और इस पर्व को 'विद्यारम्भ' के रूप में मनाते हैं। बच्चों को चावल के दानों पर अंगुली से अक्षर लिखवाकर शिक्षा की शुरूआत कराई जाती है। वसंत केवल एक सांस्कृतिक अवधारणा नहीं, अपितु एक खगोलीय घटना है जो सम्पूर्ण पृथ्वी को प्रभावित करती है। खगोलीय रूप से जब सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर होता है, तब दिन और रात की अवधि समान हो जाती है। इसे वेदों में 'विषुवत' कहा गया है। यह वैश्विक संतुलन का समय है। सूर्य के बढ़ते प्रकाश के कारण मनुष्यों में 'सेरोटोनिन' (प्रसन्नता का हार्मोन) का स्तर बढ़ता है और 'मेलाटोनिन' सन्तुलित होता है। यह प्राकृतिक रूप से अवसाद को समाप्त कर जीवनी शक्ति का संचार करता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि वसंत ऋतु में मानसिक अवसाद सबसे कम होता है। महर्षि चरक और सुश्रुत ने वसंत को स्वास्थ्य की दृष्टि से शरीर के शोधन कालमाना है। सर्दियों में शरीर में संचित 'कफ', वसंत की सूर्य-ऊष्मा से पिघलने लगता है। आधुनिक विज्ञान इसे 'लिम्फैटिक सिस्टम' की सफाई के रूप में देखता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह कफ यदि शोधित न हो, तो रोगों का जन्म देता है। इसीलिए आयुर्वेद में इस ऋतु में 'वमन' और नीम, शहद, जौ तथा चने जैसे कफ-नाशक पदार्थों के सेवन का वैज्ञानिक निर्देश है।

मुग़ल आधिपत्य के दौरान जब भारतीय त्योहार फीके पड़ रहे थे, तब शिवाजी महाराज ने वसन्तोत्सव और होली (शिमगा) जैसे उत्सवों को पुनः सार्वजनिक रूप से मनाना प्रारम्भ किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि 'मराठा' साम्राज्य में वसंत केवल फूलों का नहीं, अपितु शस्त्रों की पूजा (शस्त्र-पूजन) और आत्मविश्वास का पर्व बने। शिवाजी महाराज का 'भगवा ध्वज' साक्षात वसंत की अग्नि और त्याग का प्रतिनिधित्व करता है। उनके लिए यह रंग केवल एक ध्वज नहीं, अपितु उस 'ऋत' (शाश्वत नियम) का पालन था, जिसका वर्णन वेदों में वसंत के सन्दर्भ में मिलता है। पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह का प्रिय गीत है- "मेरा रंग दे बसन्ती चोला, माए रंग दे बसन्ती चोला" यहां 'बसन्ती' रंग सौन्दर्य का नहीं, अपितु बलिदान की उस अग्नि का प्रतीक है जो राष्ट्र को स्वतन्त्र करने के लिए प्रज्वलित हुई थी। वसंत ऋतु भारत की अखण्ड चेतना का दर्पण है। यह वेदों की ऋचाओं में 'पवित्रता' है, कालिदास के काव्यों में 'श्रृंगार' है, आयुर्वेद के ग्रन्थों में 'स्वास्थ्य' है, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, वीर बालक हकीकत राय और रामप्रसाद बिस्मिल, सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों के रक्त में 'बलिदान' है।

यह ऋतु हमें सिखाती है कि सृजन के लिए पहले पुराने को छोड़ना पड़ता है और देश की रक्षा के लिए वसंत को 'केसरिया' के रंग में रंगना पड़ता है। वसंत का यह पंचमुखी रूप - वैदिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, स्वास्थ्यपरक और ऐतिहासिक, ही इसे विश्व की सभी ऋतुओं में 'राज' की पदवी प्रदान करता है- वसन्तराज। वास्तव में वसंत ऋतु भारत की वह 'ऋतम्भरा प्रज्ञा' है जो हमें सिखाती है कि यदि जीवन में शान्ति और सौन्दर्य चाहिए तो उसके लिए शस्त्र और शास्त्र, भक्ति और शक्ति तथा प्रेम और बलिदान का समन्वय अनिवार्य है। यह ऋतु हमें आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ राष्ट्र रक्षा के प्रति सजग रहने का सन्देश देती है।

भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसन्त ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। वास्तव में वसन्त ऋतु भारत की वह 'ऋतम्भरा प्रज्ञा' है जो हमें सिखाती है कि यदि जीवन में शान्ति और सौन्दर्य चाहिए तो उसके लिए शस्त्र और शास्त्र, भक्ति और शक्ति तथा प्रेम और बलिदान का समन्वय अनिवार्य है। यह ऋतु हमें आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ राष्ट्र रक्षा के प्रति सजग रहने का सन्देश देती है।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर एसडीयू रोहतक, ये उनके अपने विचार हैं।)

शक्तिशाली मन ही सबका सच्चा साथी

संकलित

दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का मन अनेक शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियां हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? संसार में सर्वाधिक प्राथमिक आवश्यकता है- शक्ति की। शारीरिक शक्ति के लिए भी मन की शक्ति का होना जरूरी है। मन का बल टूटते ही शरीर का बल टूट जाता है। मन मजबूत होता है, तो शरीर भी साथ देता है। मन दुर्बल हुआ, तो शारीरिक शक्तियां भी क्षीण होने लग जाती हैं। शक्ति का संचय और सुरक्षा का उपाय है, तनाव से बचना। मानसिक तनाव मन की शक्ति को और भावनात्मक तनाव आत्मा की शक्ति को क्षीण करता है।शक्ति का सबसे बड़ा रहस्य है, शरीर और मन दोनों का एक साथ रहना। जिसने दूसरों को जीता और अपने आपको नहीं जीता, वह दुर्बल है। मन और इच्छाओं को जीतना बहुत बड़ी लड़ाई है। प्रत्येक व्यक्ति का मन इन शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियां हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? आवश्यकता है मन को पटु, कुशल और सहिष्णु बनाने की। उसे इस तरह प्रशिक्षित करने की, जिससे कि हम शारीरिक और मानसिक शक्तियों का संतुलन बनाए रख सकें। कहा भी गया है कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।' मन किसी भी अप्रिय घटना से ऐसा तड़प जाता है, जैसे चारों ओर से लाल चीटियों द्वारा डसा जाता घायल सर्प तड़पता है। बदला और प्रतिशोध तो चंचल मन की क्षुद्र कल्पनाएं हैं। प्रतिशोध से भरा मन यदि अवरुद्ध भावनाओं की खदबदाती दलदल है, तो प्रेम से भरा मन का हिमालय, गंगा के हिमालय पर्वत से भी ऊंचा है। मन की ऊंचाई के आगे हिमालय भी बौना है, इसलिए मन सुदृढ़ और प्रशिक्षित अश्व की भांति होना चाहिए।

अपने लिए कठोर और दूसरों के लिए द्रवित रहो

संकलित

प्रेरणा

वृंदावन के जाने-माने संत प्रेमानंद महाराज अपनी बातों से कई लोगों को सही राह दिखाते हैं। अपने प्रवचन के दौरान वह कई ऐसी बातें कहते हैं जिसका पालन अगर कर लिया जाए तो जिंदगी की आधी से ज्यादा मुश्किलें खत्म हो सकती हैं। अपने एकांतित वार्तालाप के दौरान वह कई लोगों के सवालों का जवाब देते हैं। हाल ही में एक बच्चे ने उनसे एक दिल छू लेने वाला सवाल किया। बच्चे ने पूछा कि हमें कब-कब कठोर होना चाहिए? इस पर प्रेमानंद महाराज ने बड़े ही सरलता से अपनी बात रखी। प्रेमानंद महाराज ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जगह-जगह पर अवसर पर किया जाता है। जिससे हमें लगे कि गलत है तो हम उसे कठोर करते हैं। कठोर हृदय से हम उसे सहते हैं। अब जहां हमारी कोई निंदा कर रहा है तो हम हमारे हृदय को कठोर कर लेते हैं। स्वभाव के कठोरता में सबकी कठोरता आ जाती है। स्वभाव में ही सब कुछ होता है। हृदय, वाणी, देखना और बोलना, उठना और बैठना सब आ जाएगा। जहां किसी को कष्ट हो रहा है, वहां हम द्रवित हो जाते हैं। जहां हमें कष्ट हो रहा है, वहां हम कठोर हो जाते हैं। हमारी कोई निंदा करें, उसे हम सह लेते हैं, लेकिन हम किसी की निंदा कभी नहीं कर सकते हैं। हमें कोई दुख दें। हम उसे कठोर भाव से सह लेंगे, लेकिन हम किसी को कठोर भाव से दुख दें, ऐसा कभी भी नहीं हो सकता है। प्रेमानंद महराज ने आगे कहा कि अपने लिए कठोर रहो और दूसरों के लिए द्रवित रहो। दूसरों के लिए कठोर और अपने लिए द्रवित ये तो स्वार्थी लोगों का लक्षण है। परमार्तिक लक्षण है कि अपने लिए कठोर रहो। दूसरे को सर्दी लग रही है तो अपनी जैकेट उतार के दे दिया। अपने खुद सर्दी सह लेते हैं लेकिन दूसरे को नहीं नहीं हम उसके ठंड में कांपते हुए नहीं देख सकते हैं। ये है कठोरता। अपने लिए कठोर रहो लेकिन दूसरों के लिए मृदुता।

वसंत पंचमी

क्या आपको पता है? सूर्य कांत त्रिपाठी निराला को वसंत ऋतु क्यों सर्वाधिक प्रिय है, निराला लिखते हैं- अभी न होगा मेरा अंत

अभी - अभी ही तो आया है

मेरे वन में मृदुल वसंत , अभी न होगा मेरा अंत

हरे -हरे ये पात , डालियां, कलियां, कोमल गात।

मैं ही अपना स्वप्न - मृदुल -कर, फेरुंगा निद्रित कलियों पर

जगा एक प्रत्यूष मनोहर !

वसंत मे आंनद भी है उल्लास भी साथ ही सृजन की विस्तीर्ण एक लंबी श्रृंखला को भी लिए हुए है शिशिर की लंबी रातें जैसे जैसे छोटी होती जाती हैं वैसे वैसे निराला की जुही की कली का सौन्दर्य खिल जाना चाहता है -

विजन - वन वल्लरी पर सोती थी सुहाग -भरी - स्नेह - स्वप्न - मग्न

अमल - कोमल - तनु तरुणी जुही की कली,

दृग बंद किये, शिथिल,- पत्रांक में , वासंती निशा थी,

निराला का वसंत कुमार संभव के वसंत से अलग है क्योंकि निराला निराला हैं वे आंखों और बादल के महान कवि हैं जहां का संसार विहंगम है अन्य छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत की दृष्टि से देखते हैं जिसमें वे आंखों से क्या देखते हैं अवलोक रहा बार-बार नीचे जल में निज महाकार जिसके चरणों में पला ताल दर्पण सा फैला है विशाल। सूर्य कांत त्रिपाठी निराला का रचना संसार केवल यहीं तक नहीं रुकना चाहता है वह तुलसीदास की तरह संबल प्रदान करते स्पष्ट दिखाई देते हैं और लिखते हैं - महाकाव्य राम की शक्ति पूजा शक्ति की करो मौलिक कल्पना भाव वही शाश्वत असत्य पर सत्य की विजय, अनैतिकता पर नैतिकता की विजय, ये शंखनाद पूर्णतः आधुनिक क्योंकि निराला जानते थे अंग्रेजों को हराना रावण को हराने के समान था इसलिए वो राम की शक्ति पूजा लंबी कविता रचते हैं निराला के राम नवीन हैं लोक नायक हैं लिखते हैं - होगी जय होगी जय हे पुरुषोत्तम नवीन कह महाशक्ति राम के बदन मे हुई लीन।

पराधीनता से स्वाधीनता, कदाचार से सदाचार की इस अविराम यात्रा के कथानक को समर्पण से जोड़ देते हैं अपनी इस लंबी कविता के माध्यम से निराला ने ये स्थापित किया कि मां सीता का अपहरण राष्ट्र की संस्कृति का अपहरण है अस्मिता का अपहरण है जिससे मुक्ति आवश्यक है यहां राम को शक्ति की उपासना का आव्हान करते ताकि आततायी रावण जो निरंकुश अंग्रेजी सत्ता का प्रतीक है उखाड़ फेका जा सकें इस पूरे क्रम में निराला का पाठकों से संवाद बेजोड़ है संवेदना, शिल्प व भाषा शैली अद्भुत व अभिभूत कर बहा ले जाती है ।

निराला के सृजन शक्ति में राष्ट्रीय मान बिन्दुओं के संरक्षण संवर्धन का आग्रह तीव्र है वहीं भावुक पिता का द्रवित हृदय जो पुत्री सरोज के असमय निधन से वेदना ग्रस्त हो सरोज स्मृति लिखते हैं जो एक शोक गीत है जीवन का एलबम भी जहां टूटने जुड़ने के दौर से गुज़र जाना चाहता है। निराला स्वतंत्र भारत में 14 वर्ष जीवित रहे उनके राम ने अंग्रेज रुपी रावण को देश से बाहर का रास्ता दिखा दिया था संकल्प पूरा हुआ पर तत्कालीन दौर की शासन व्यवस्था कोई पुरस्कार न दे सकी यद्यपि निराला ख़ून सूखाकर लिखने वाले कवि थे इससे कहीं परे थे विडंबना ही है कि निराला पर लिखी गई पुस्तकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ पर स्वयं निराला को नहीं मिल सका कहते हैं निराला का काव्य पाठ ओज और तेज़ लिए हुए था उनकी वाणी को भी तत्कालीन सरकारी व्यवस्था सुरक्षित नहीं रख पाई काश उनकी वाणी को सुरक्षित रख पाते मेघ- मंद्र - कंठ कभी न सुनने के लिए आज हम विवश हैं-

जागो फिर एक बार! समर अमर कर प्राण , गान गाये महासिनधु से ।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है– एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। *–विनय कुमार साहू*

करंट अफेयर

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क पांच लाख सर्किट किमी के पार

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क 220 किलोवोल्ट और उससे अधिक क्षमता वाली लाइन के साथ पांच लाख सर्किट किलोमीटर का आंकड़ा पार कर गया है। बिजली मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही देश की कुल 'ट्रांसफॉर्मर' क्षमता 1,407 गीगावोल्ट एम्पियर तक पहुंच गई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से बिजली पारेषण के लिए भादला-दो से सीकर-दो सब-स्टेशन तक 765 किलोवॉट की 628 सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन का संचालन शुरू करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की। इस लाइन के चालू होने से भादला, रामगढ़ और फतेहगढ़ सौर ऊर्जा परिसर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 1,100 मेगावाट बिजली पारेषण संभव हो सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2014 से अब तक देश के पारेषण नेटवर्क में 71.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में 2.09 लाख सर्किट किलोमीटर नई पारेषण लाइन जोड़ी गईं जबकि 'ट्रांसफॉर्मर' क्षमता में 876 गीगावोल्ट एम्पियर की बढ़ोतरी हुई। अंतर-क्षेत्रीय बिजली अंतरण क्षमता अब 1,20,340 मेगावाट तक पहुंच गई है जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति को संभव हुई है।

ऑफ बीट

बेंगलुरु दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर

भारत का सूचना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलुरु वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर रहा, जहां औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 74.4 प्रतिशत रहा। यह जानकारी नीदरलैंड स्थित 'लोकेशन टेक्नोलॉजी' कंपनी 'टॉमटॉम' के आंकड़ों से मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'टॉमटॉम' के वर्ष 2025 से संबंधित 'ट्रैफिक इंडेक्स' में मैक्सिको सिटी को शीर्ष स्थान पर रखा गया है, उसके बाद बेंगलुरु और डबलिन (आयरलैंड) का स्थान है। यह सूचकांक दुनिया भर के शहरों का मूल्यांकन औसत यात्रा समय और यातायात भीड़भाड़ के स्तर के आधार पर करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला, सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा उपलब्ध होता है। बेंगलुरु में पिछले वर्ष की तुलना में औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 1.7 प्रतिशत अंक बढ़ गया। चालकों ने औसतन 4.2 किलोमीटर की दूरी 15 मिनट में तय की, जबकि 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में औसतन 36 मिनट और नौ सेकंड का समय लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की औसत गति घटकर 13.9 किमी प्रति घंटा हो गई। इसके अलावा, रिपोर्ट में 17 मई को शहर का सबसे खराब यात्रा दिवस बताया गया है।

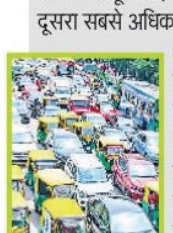

ट्रेंड

मेरी हार्दिक संवेदनाएं

डोडा में हुए दुखद सड़क हादसे से मैं बेहद दुखी हूं, जिसमें भारतीय सेना के 10 बहादुर जवान शहीद हो गए। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जवानों को सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस कठिन समय में पूरा देश हमारे सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

'आप' के सीएम

मैं सोशल मीडिया पर देख रहा था कि इनके मुख्यमंत्री अपने परिवार के साथ स्विट्ज़रलैंड घूमने में व्यस्त हैं। एक तरफ ये छुट्टियां मना रहे हैं, दूसरी तरफ 'आप' के सीएम जनता के हेल्थ काई बना रहे हैं।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

काम का अधिकार

मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने का काम इसलिए कर रही है, ताकि देश के दबे-कुचले लोगों को 'बंधुआ मजदूर' बनाया जा सके। हमें मनरेगा और काम के अधिकार को बचाने की लड़ाई लड़नी है।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

औपनिवेशिक अत्याचार

ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड पर संभावित कब्जे की नैतिकता पर बहस करते समय, अफ्रीका में यूरोपीय लोगों द्वारा किए गए औपनिवेशिक अत्याचारों पर विचार करना उचित है। डेनमार्क ने स्वयं अफ्रीका से लगभग पांच लाख गुलामों को अमेरिका भेजा था।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

सब पढे ....
सब बढे ....

विकासखण्ड समन्वयक स्त्रोत वेदानंद आर्य,
बी.आर.सी. पत्थलगांव
विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पत्थलगांव जिला जशपुर

प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

प्रबंधक, श्री रूपसिंह राठिया
अध्यक्ष, श्री विमलेश अम्बस्ट पत्थलगांव
केश्वर प्रसाद बंजारा लिपीक
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पत्थलगांव

प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

श्री अमरजीत बाज अध्यक्ष
श्री नरोत्तम यादव
घराजियाबथान
सुरेश यादव
कम्प्यूटर आपरेटर

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
घराजियाबथान जिला जशपुर

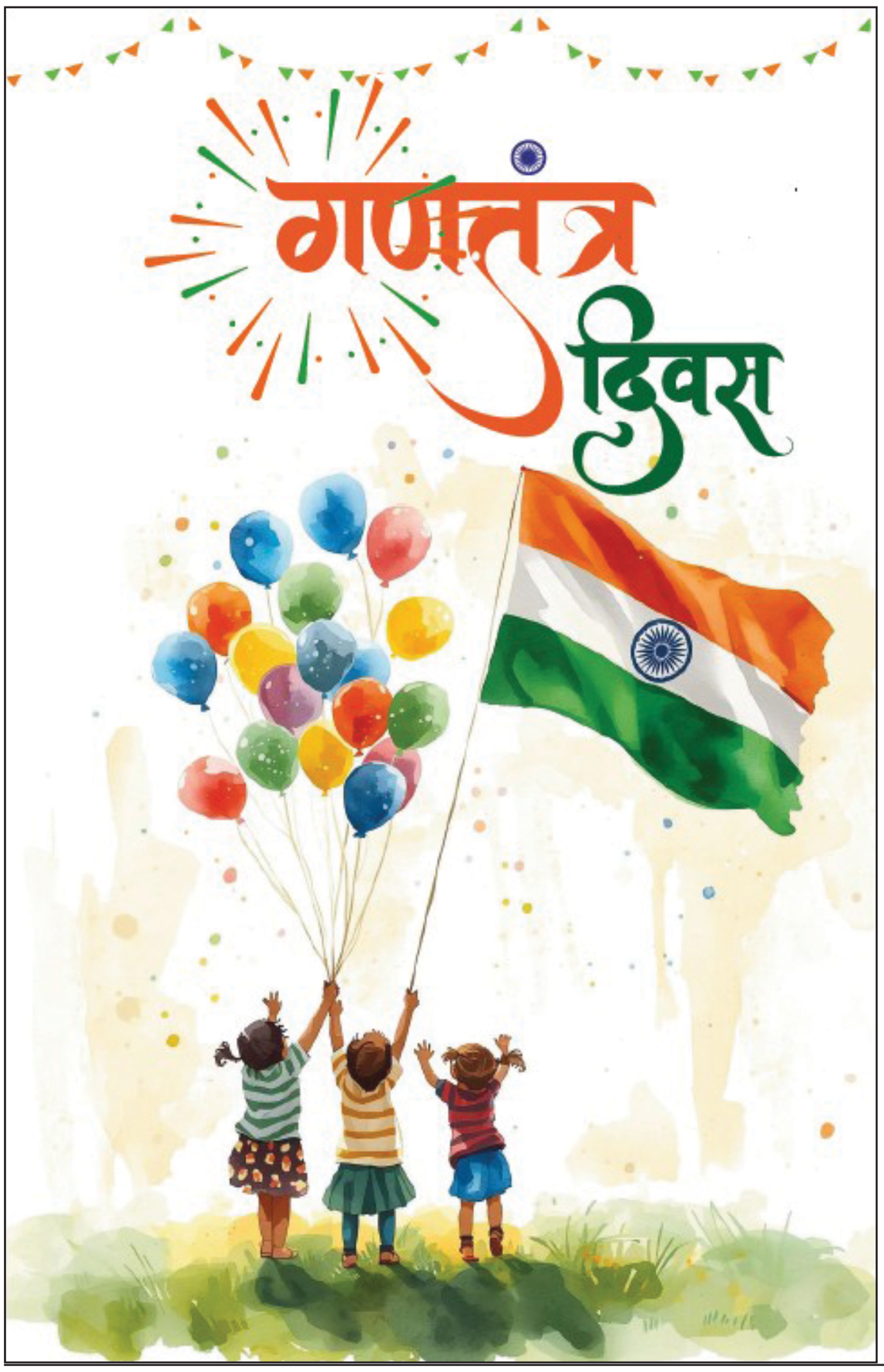

देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

देवनारायण यादव
उपाध्यक्ष
जिला पंचायत सरगुजा

प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र राजपुर
जिला बलरामपुर

प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र
अम्बिकापुर
जिला सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगॉव तहसील भटगांव

// ईश्तहार //

रा0प्र0क्र0 136 ब-121/2025

आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष गुप्ता आ0स्व गेदा राम जाति शैनिमार निवासी ग्राम भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने पुत्र पुत्री पिता/माता गेंदा राम का मृत्यु दिनाक 29-06-2018 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत् शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता, प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 04/02/026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत विधि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एव तद्?नुसार कार्यवाही कर दी. जावेगी। आज दिनांक 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुदा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव

C M Y K

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग छ.ग.

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

चिंतामणि महाराज
सांसद सरगुजा

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

डॉ कपिलदेव पैकरा
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला अस्पताल सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

मुरली मनोहर सोनी
जिलाध्यक्ष
भाजपा सूरजपुर

भूलन सिंह मरावी
विधायक प्रेमनगर
विधानसभा क्षेत्र

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

कुसुमलता राजवाड़े
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद

शैलेष अग्रवाल
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद

प्रभाकर शुक्ला
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, एवं समस्त पार्षदगण नगर पालिका परिषद सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

ललित कुमार भोई
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
लोक निर्माण विभाग जिला-सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

अजय मिश्रा
जिला शिक्षा अधिकारी एवं समस्त स्टाफ जिला-सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

विजेंद्र सिंह पाटले
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत सूरजपुर छ.ग.

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

शुभम बंसल
जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला- सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

डी .आर. साहू
वन मण्डलाधिकारी वन मंडल जिला-सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

मनोज साहू
डी.एम.सी., राजीव गांधी शिक्षा मिशन जिला - सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

सुश्री संपदा पैकरा
उप संचालक कृषि
जिला - सूरजपुर

गणतंत्र दिवस के 77वें वर्षगाठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

संदीप भगत
जिला खाद्य अधिकारी एवं समस्त स्टाफ जिला- सूरजपुर

गणतंत्र दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

बसंत कुजूर, जिला अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज पंजीयन क्रमांक 4230
जिला बलरामपुर रामानुजगंज

जनपद पंचायत कुसमी एवं समस्त स्टाफ जिला बलरामपुर रामानुजगंज

समीर सिंहदेव

बी. डी .सी एवं कांग्रेस ब्लॉक
अध्यक्ष बलरामपुर जिला
बलरामपुर रामानुजगंज

जनपद पंचायत बलरामपुर एवं समस्त स्टाफ जिला बलरामपुर रामानुजगंज

यातायात विभाग बलरामपुर एवं समस्त स्टाफ जिला बलरामपुर रामानुजगंज

वनमंडला अधिकारी

एवं समस्त स्टाफ बलरामपुर
जिला
बलरामपुर रामानुजगंज

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज

भापेंद्र साहू

थाना प्रभारी बलरामपुर
जिला बलरामपुर रामानुजगंज

मोहिनी देवी सरपंच हीरानंद रजक सचिव

बड़की महरी एवं
समस्त ग्रामवासी
जनपद पंचायत बलरामपुर
जिला बलरामपुर रामानुजगंज

जिला कोषालय अधिकारी एवं समस्त स्टाफ बलरामपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज

राजेंद्र ठाकुर राजू

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
जिला प्रतिनिधि
बलरामपुर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 26 जनवरी 2026 8

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक

संस्कृति का संस्कार रुप साहित्य अमर है

साहित्य, संस्कार, सिनेमा और राष्ट्र बोध के नाम रहा रायपुर साहित्य उत्सव

इस तीन दिवसीय साहित्य उत्सव में विचारों का खुलकर आदान प्रदान हुआ, जिससे लोगों को बहुत सारी बातें सीखने का मौका मिला, पाठकों को नई पुस्तकें पढ़ने का मौका मिला। शब्द का रूप ब्रम्ह है, आजादी के आंदोलनों के समय वंदेमातरम के दो शब्दों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सभी को बांधने का कार्य किया। मन में अनुभूति से ही साहित्य बनता है, कविता में संदेश होना चाहिए। साहित्य हमें आगे बढ़ने का रास्ता दिखाता है, सभी को साहित्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल

साहित्य किसी राष्ट्र की आत्मा और विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है। छत्तीसगढ़ के साहित्यों का इतिहास बहुत समृद्ध रहा है। यहां महाकवि कालिदास द्वारा मेघदूतम की रचना की गई, यहां पदुम लाल पुन्नालाल बख्शी, मुक्तिबोध, विनोद कुमार शुक्ल के द्वारा हमारे साहित्य की अविरल धारा को प्रवाहित किया गया है। साहित्य में मानवीय चेतना के अभिन्न अंग रहते हैं, उनको जीवंत करने का कार्य इस उत्सव में किया गया है।

श्री ओपी चौधरी
माननीय वित्त मंत्री

आज फिल्म के हिट और फ्लॉप होने की बात अधिक होती है। सिनेमा को देखने का मापदंड बदल गया है। सिनेमा का सामाजिक सरोकार नहीं रहा। सिनेमा आपके प्रश्नों को तभी उठाएगा, जब उससे सिनेमा को बड़ा लाभ होगा। आज के समय में आप चाणक्य नहीं बना सकते। हिंदी सिनेमा में हिंदी का स्तर कहां तक पहुंचा है, यह एक बड़ी चुनौती है। सभी सिनेमा को सरल करने की बात करते हैं, हिंदी में अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग होता है।

डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी
अभिनेता, निर्देशक
प्रसिद्ध धारावाहिक चाणक्य

सिनेमा एक ऐसा औजार है जो बिगड़े हुए समाज को शेप दे सकता है। अगर हम सिनेमा से सामाजिक सरोकार की अपेक्षा करते हैं, तो बहुत से लेखक-निर्देशक आज भी इस दायित्व को निभाते आ रहे हैं। हम जब भी फिल्मों की बात करते हैं, तो पसंद-नापसंद की बात अपने आप ही सामने आ जाती है। फिल्में समाज का जरूरी हिस्सा हैं।

श्री अनुराग बसु
फिल्म निर्देशक

छत्तीसगढ़ की माटी की महक से रचा-बसा नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन इन दिनों शब्द, संवेदना और संस्कृति की त्रिवेणी में स्नात होकर एक विराट वैचारिक तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित हो उठा है। तीन दिवसीय 'साहित्य, संस्कार और स्वाध्याय' के इस महाकुंभ में विचारों की अविरल धारा समाज, राष्ट्र और मनुष्यता को आलोकित कर रही है। उत्सव के तीसरे दिन भी साहित्यप्रेमियों का उत्साह देखते ही बनता रहा, जहाँ नागरिकों, छात्रों और शोधार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को जन-संवाद का जीवंत स्वरूप प्रदान किया

सुबह से ही सत्रों और परिचर्चाओं के लिए पंजीयन काउंटरों पर दिखाई देती लंबी कतारें साहित्यिक गतिविधियों के प्रति समाज की गहरी रुचि का प्रमाण थीं। उत्सव के विविध सत्रों में साहित्य, संस्कृति, कला, मीडिया और तकनीक जैसे समकालीन विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ, जिसे प्रख्यात वक्ताओं और लेखकों की गरिमामयी उपस्थिति ने और अधिक समृद्ध बनाया।

चिंतन, संवाद और सृजन का यह विराट आयोजन आज 'आदि से अनादि तक' की शाश्वत चेतना को आत्मसात कर संपन्न हुआ। विभिन्न सत्रों में देश के शीर्ष विद्वानों द्वारा झंकृत सामाजिक चिंतन के ये स्वर भारत की बौद्धिक विरासत की ही गूंज हैं। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों की ओर लौटने के लिए प्रेरित करेगा और साहित्य के 'अमर संस्कार' को सदैव ज्ञान, अध्यात्म एवं चेतना की सरिता से अभिसिंचित करता रहेगा।

समापन समारोह छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रमेन डेका की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जहाँ विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, विख्यात फिल्मकार डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और अनुराग बसु ने कार्यक्रम की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

उत्सव की मुख्य झलकियां

वैचारिक विमर्श: विनोद कुमार शुक्ल, लाला जगदलपुरी और श्यामलाल चतुर्वेदी जैसे मनीषियों के नाम पर बने मंडपों में संविधान, भारतीय मूल्य, सिनेमा, पत्रकारिता और शासन जैसे विषयों पर गंभीर संवाद हुए।

सांस्कृतिक चेतना

उत्सव के केंद्र में 'नव युग में भारत बोध' और छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ की गूंज रही, जिसने स्थानीय कला और राष्ट्रीय चेतना को एक सूत्र में पिरोया।

लोक नृत्य ने जीता दर्शकों का दिल

पंडवानी गायिका दुर्गा साहू, रायपुर की प्रस्तुति और पंथी नृत्य में वेदप्रकाश माहेश्वरी की प्रस्तुति ने बांधा समा

ओपन माइक में नवोदित कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

नाट्यशास्त्र और कला परम्परा पर हुआ सार्थक संवाद

राजा चक्रधर सिंह को समर्पित इस सत्र में प्रख्यात वक्ता डॉ. सच्चिदानंद जोशी, डॉक्टर लवली शर्मा,कुलपति और राजेश गनोदवाले हुए शामिल

चित्रकला प्रदर्शनी

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजीवन को दर्शाती विविध चित्रकृतियां प्रदर्शित की गईं

छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ

लोकभाषा और संवेदना से सजा साहित्यिक मंच

आर.ओ. नं.-46675/17

प्रदेश वासियों को 77वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...

चिन्तामणी महराज सासंद सरगुजा लोकसभा क्षेत्र

देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...

राजेश अग्रवाल
पर्यटन, सांस्कृति,
धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व
मंत्री छ.ग. शासन

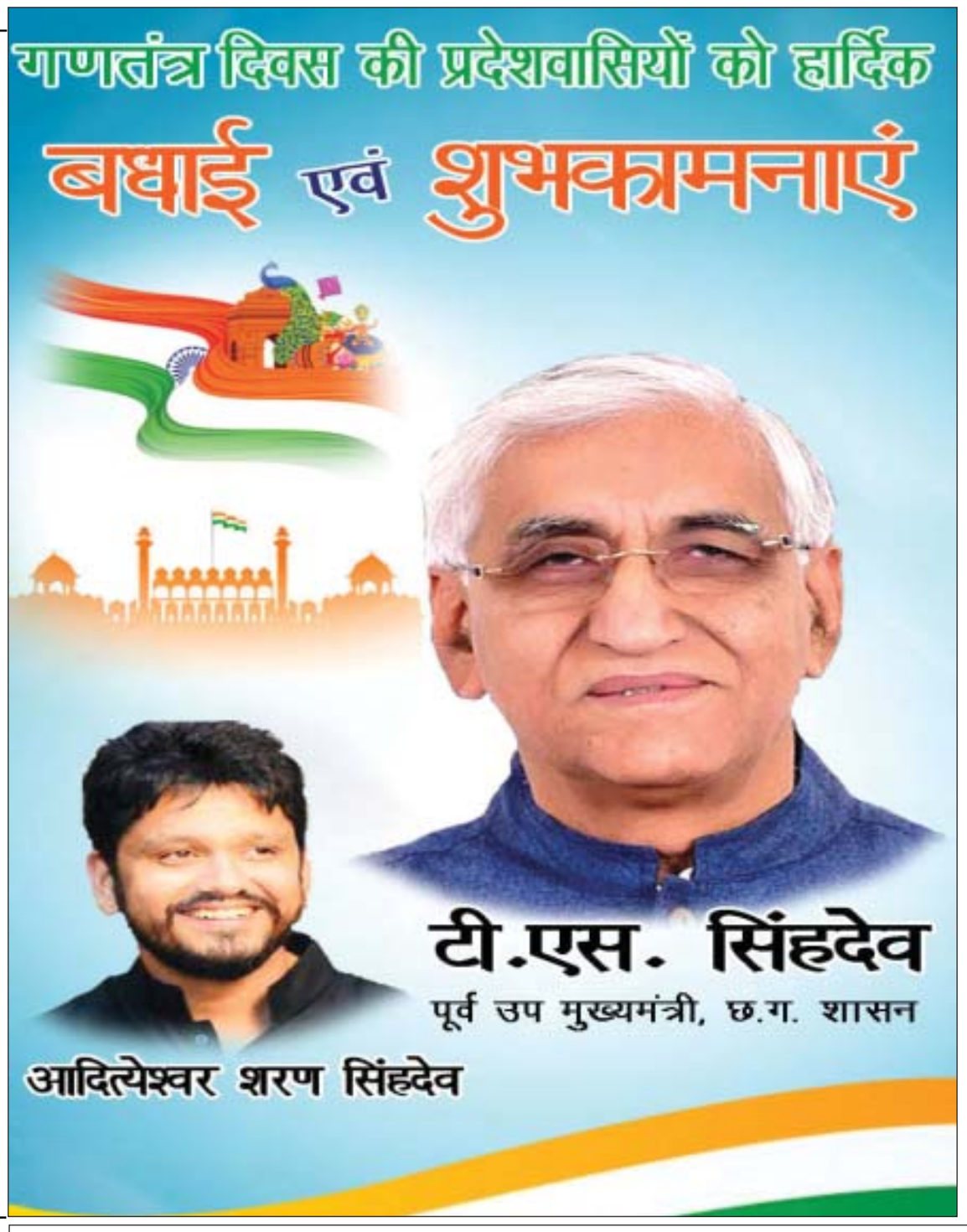

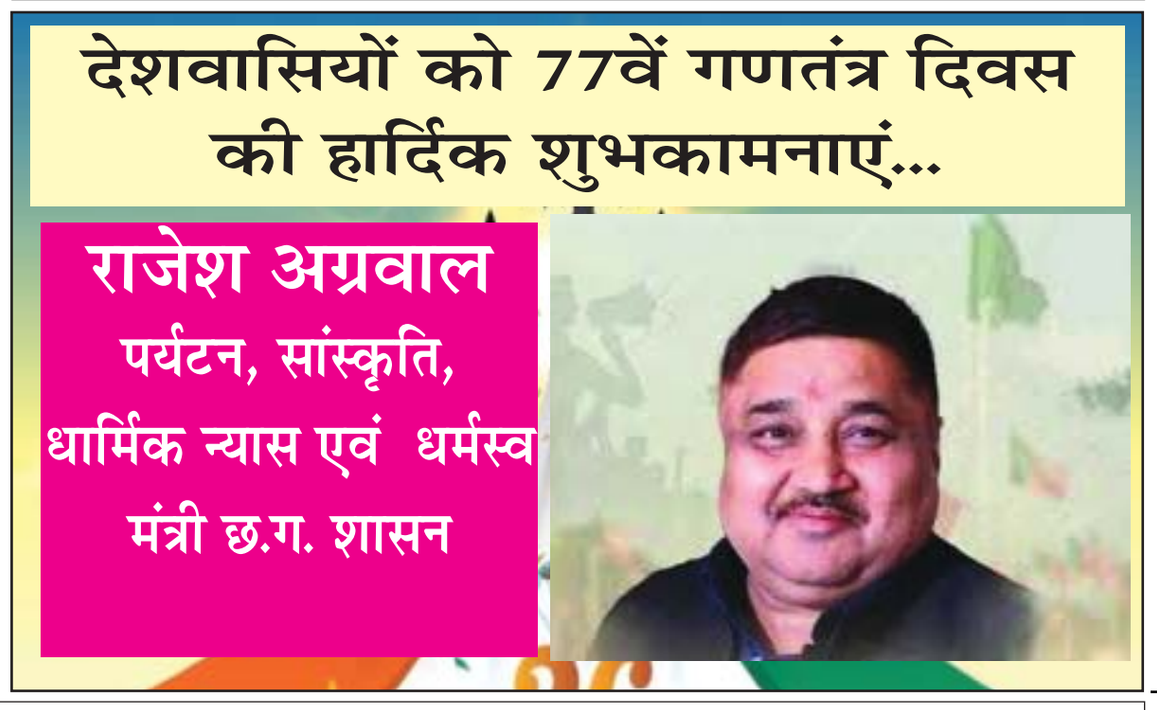

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर